# प्रशासनिक विवरण

श्री ननकीराम कंवर
मंत्री,
छत्तीसगढ़ शासन
(कृषि, सहकारिता, पशुपालन, मछली पालन)

श्री पूनम चन्द्राकर
संसदीय सचिव,
छत्तीसगढ़ शासन
(कृषि, सहकारिता, पशुपालन, मछली पालन)

## सचिवालय

**डॉ. पी.राघवन, आई.ए.एस.**
प्रमुख सचिव एवं कृषि उत्पादन आयुक्त,
छत्तीसगढ़ शासन

**डॉ. एच.एल.प्रजापति, आई.ए.एस.**
सचिव,
मछली पालन विभाग
छत्तीसगढ़ शासन

**श्री कौशलेन्द्र मिश्रा,**
विशेष कर्त्तव्यस्थ अधिकारी,
मछली पालन विभाग
छत्तीसगढ़ शासन

## संचालनालय

**श्री पी.पी.सिंह**
संचालक मत्स्योद्योग
छत्तीसगढ़

# प्रशासनिक प्रतिवेदन

## मत्स्योद्योग विभाग, छत्तीसगढ़ वर्ष 2004-05


| क. | अनुकमणिका | पृ.क. |
|---|---|---|
| | **भाग – एक** | 3 |
| 1. | छत्तीसगढ़ में मत्स्य विकास | 3 |
| 2. | मत्स्य पालन विकास हेतु अमले का स्वरूप | 3 |
| | 1 विभाग का स्वरूप (ढांचा) | 3 |
| 3. | सामान्य प्रशासनिक प्रकरण | 3 |
| | 1.जांच | 3 |
| | 2.पदोन्नति | 4 |
| | 3.सेवानिवृत्ति | 4 |
| 4 | मत्स्य कृषक विकास अभिकरण का ढांचा | 4 |
| 5 | छ.ग. राज्य मत्स्य महासंघ (सहकारी) मर्या. रायपुर का ढांचा | 5 |
| | **भाग – दो** | 5 |
| 1. | वित्तिय प्रावधान एवं व्यय | 6 |
| | **भाग – तीन** | 6 |
| 1. | मत्स्य बीज उत्पादन | 6 |
| 2. | सिंचाई जलाशयों में मत्स्य विकास | 7 |
| 3. | राज्य का मत्स्योत्पादन | 7 |
| | 3.1 प्रति हेक्टर मत्स्योत्पादन | 7 |
| 4. | राज्य के पोखरों/तालाबों/जलाशयों में मत्स्य बीज संचयन | 8 |
| 5. | विभागीय आय | 8 |
| 6. | रोजगार सृजन (मानव दिवस) | 8 |
| 7. | मत्स्य सहकारिता | 8 |
| | 1 मत्स्य सहकारी समितियों को आर्थिक सहायता | 9 |
| | 2 मत्स्य सहकारी समितियों को जलाशय आबंटन | 9 |
| | 3 मत्स्य सहकारी समितियों को तालाब आबंटन | 9 |
| 8. | मत्स्य पालकों को प्रशिक्षण | 9 |
| 9. | मछुओं का अध्ययन भ्रमण | 10 |
| 10. | शिक्षण एवं प्रशिक्षण (प्रशिक्षण संस्थान, रायपुर) | 10 |
| 11. | अनुसंधान कार्यकम | 10 |
| | 1 सहायक अनुसंधान अधिकारी (मत्स्योद्योग) इकाई रायपुर | 10 |
| 12 | केन्द्र प्रवर्तित योजना | 10 |
| | 1 मत्स्य कृषक विकास अभिकरण योजना | 10 |
| | 2. तालाबों का आबंटन | 11 |
| | 3. स्वयं की भूमि में नवीन तालाबा निर्माण | 11 |
| 13 | एकीकृत मछली पालन | 11 |
| 14. | मत्स्य जीवियों का दुर्घटनाा बीमा | 11 |
| 15. | केन्द्र क्षेत्र योजना | 12 |
| 16. | विशेष केन्द्रीय सहायता से संचालित योजना | 12 |
| | बैगा जनजाति विकास परियोजना | 12 |
| 17. | राज्य गठन पश्चात् मत्स्य पालन अंतर्गत संचालित नवीन कार्यकम | 12 |
| | 1.मीठे जल में झींगा पालन (पॉली कल्चर) | 12 |
| | 2.आलंकारिक मत्स्य विकास | 13 |
| | भाग–चार | 13 |
| 1. | वित्तीय प्रावधान एवं भौतिक प्रगति | 14 |
| | **भाग–पांच** | 14 |
| 1. | छत्तीसगढ़ राज्य मत्स्य महासंघ (सहकारी) मर्यादित रायपुर | 14 |
| 2. | मत्स्य विभाग द्वारा मत्स्य विकास हेतु नवीन प्रस्तावित कार्यकम | 14 |
| | 1.मत्स्य पालन प्रसार (राज्य पोषित योजना) | 14 |
| | 2.स्वयं की भूमि पर 0.5 हेक्टर तालाब निर्माण | 14 |
| | 3. प्रशिक्षण सह प्रदर्शन इकाई स्थापना | 14 |
| 3. | छत्तीसगढ़ राज्य में मत्स्य पालन– एक दृष्टि में वर्ष 2004–2005 (माह जनवरी, 05 तक) | 15–16 |
| 25. | वर्ष 2003–2004 की लक्ष्य एवं उपलब्धि | 17 |

## भाग–एक

### 1. छत्तीसगढ़ में मत्स्य विकास

छत्तीसगढ़ राज्य में मत्स्य पालन विकास काफी प्रगति पर है। राज्य में उपलब्ध जल संसाधन की दृष्टि से मछली पालन एक विशिष्ट स्थान रखता है। राज्य की भौगोलिक एवं कृषि जलवायवीय स्थितियां भी मछलीपालन हेतु उपयुक्त है। मछलीपालन अधिक आय, कम लागत और कम समय में सहायक धन्धे के रूप में ग्रामीण अंचलों में अत्यन्त लोकप्रिय है। यह ग्रामीण क्षेत्रों की बेरोजगारी दूर करने का सशक्त एवं रोजगारोन्मुखी साधन है। मछली पालन से अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है, साथ ही मछली जैसे पौष्टिक खाद्य का उत्पादन बढ़ाकर कुपोषण को दूर किया जा सकता है। राज्य शासन द्वारा इस धन्धे से जुड़े मछुआरों के हित में अनेक कल्याणकारी निर्णय लिये गये है तथा उनका लाभ भी अधिक उत्पादन के रूप में परिलक्षित होने लगा है।

### 1.1 मत्स्य संसाधन

प्रदेश में मछलीपालन के लिए 1.546 लाख हेक्टेयर जलक्षेत्र उपलब्ध है। जिसमें से अब तक 1.371 लाख हेक्टेयर जलक्षेत्र विकसित किया जा चुका है, जो कुल उपलब्ध जलक्षेत्र का 88.68 प्रतिशत है।

विस्तृत विवरण निम्नानुसार हैः–

| क्र. | विवरण | उपलब्ध जलक्षेत्र (हे.) लाख में | मत्स्य पालन अन्तर्गत जलक्षेत्र (हे.) लाख में |
|---|---|---|---|
| 1. | ग्रामीण | 0.708 | 0.587 |
| 2. | सिंचाई | 0.838 | 0.784 |
| | योग | 1.546 | 1.371 |

### 2.मत्स्यपालन विकास हेतु अमले का स्वरूप

### 2.1 विभाग का स्वरूप (ढांचा)

नवगठित छत्तीसगढ़ राज्य के अस्तित्व में आने के पूर्व से ही राज्य में मछली पालन विकास कार्यक्रम संचालित है। मछली पालन विकास से विभिन्न परियोजनाओं एवं कार्यक्रमों को कार्यान्वित करने के लिए विभाग में निम्नानुसार अमला स्वीकृत हैः–

**मछलीपालन विभाग में स्वीकृत, कार्यरत एवं रिक्त पदो की जानकारी**

| क्र. | श्रेणी | स्वीकृत पद संख्या | कार्यरत पद संख्या | रिक्त पद |
|---|---|---|---|---|
| 1. | प्रथम श्रेणी | 10 | 5 | 5 |
| 2. | द्वितीय श्रेणी | 21 | 14 | 7 |
| 3. | तृतीय श्रेणी | 346<br>(4 पद सांख्येत्तर) | 323 | 23 |
| 4. | चतुर्थ श्रेणी | 260<br>(64 पद सांख्येत्तर) | 239 | 21 |
| | **योग** | **637**<br>(68 पद सांख्येत्तर) | **581** | **56** |

### 3. सामान्य प्रशासनिक प्रकरण

### 3.1 विभागीय जांच

वर्ष 2004–05 में कुल 5 प्रकरणों पर कार्यवाही प्रगति पर है जिनमें से प्रथम श्रेणी के पद पर प्रकरण निरंक है, द्वितीय श्रेणी के प्रकरण 3, तृतीय श्रेणी का 2 एवं चतुर्थ श्रेणी का निरंक है ।

### 3.2 पदोन्नति

वर्ष 2004–05 में एक प्रथम श्रेणी अधिकारी तथा एक तृतीय श्रेणी कर्मचारी को पदोन्नति दी गयी है प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी अधिकारियों के पदोन्नति प्रकरण इस संचालनालय के पत्र क्र. 27/म/स्था/2004–05 दिनांक 7.1.05 द्वारा छ.ग. शासन मछली पालन विभाग को प्रस्तुत किए गए है ।

### 3.3 सेवानिवृत्ति

वर्ष 2004–2005 में 5 अधिकारी/कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए ।

| क्र. | श्रेणी | संख्या |
|---|---|---|
| 1. | प्रथम | – |
| 2. | द्वितीय | – |
| 3. | तृतीय | 3 |
| 4. | चतुर्थ | 2 |
| | **योग** | **5** |

वर्ष 2004–05 में एक तृतीय श्रेणी कर्मचारी तथा तीन चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की असामयिक मृत्यु हुई है ।

### 4. मत्स्य कृषक विकास अभिकरण का ढांचा

वर्तमान स्वरूप में प्रदेश के अंतर्गत पूर्व के 7 जिलों में मत्स्य कृषक विकास अभिकरण स्थापित है, तथापि राज्य के समस्त 16 जिलों में अभिकरण के कार्यक्रम संचालित है अभिकरणों के विभिन्न कार्यक्रमों को क्रियान्वित करने के लिए वर्तमान स्वरूप में निम्नानुसार अमला स्वीकृत है :–

| क्र. | पदनाम | स्वीकृत पद | कार्यरत | प्रतिनियुक्ति पर |
|---|---|---|---|---|
| 1. | सहायक यंत्री | 2 | – | 2 |
| 2. | उप यंत्री | 8 | 8 | – |
| 3. | मत्स्य पालन प्रसार अधिकारी | 5 | – | 5 |
| 4. | मत्स्य पालन प्रसार कार्यकर्ता | 108 | 47 | 61 (56 छग, 5 म.प्र.) |
| 5. | शीघ्र लेखक | 1 | 1 | – |
| 6. | सहायक ग्रेड–तीन/स्टेनो टाइपिस्ट | 13 | 5 | 8 |
| 7. | वाहन चालक | 7 | 7 | – |
| 8. | भृत्य | 14 | 2 | 12 (10 छग, 2 म.प्र.) |
| 9. | कार्यालय चौकीदार | 5 | – | 5 (4 छग, 1 म.प्र.) |
| 10. | मछुआ | 1 | 1 | – |
| | **योग** | **164** | **71** | **93** |

विभाग के 22 मत्स्य निरीक्षक, मत्स्य कृषक विकास अभिकरण में प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ हैं । वर्तमान में मत्स्य कृषक विकास अभिकरण एक सेल के रूप में जिला कार्यालय के अधीन कार्यरत है।

**5. छत्तीसगढ़ राज्य मत्स्य महासंघ (सहकारी) मर्या. रायपुर का ढांचा**

छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण के साथ ही छत्तीसगढ़ राज्य (सहकारी) मत्स्य महासंघ का गठन हुआ है । यह प्राथमिक मछुआ सहकारी समितियों की शीर्ष संस्था है, जिसका प्रमुख कार्य ब्रूडबैंक एवं अन्य हैचरियों से उन्नत प्रजातियों का मत्स्य बीज उत्पादन कर मत्स्य पालको में विक्रय करना तथा सहकारिता के माध्यम से मत्स्य पालन विकास किया जाना है ।

मत्स्य महासंघ के अधीन 15 मत्स्य सहकारी समिति के 1003 सदस्य कार्यरत हैं। 9 जलाशय (8903 हेक्टर) 6 मत्स्य बीज उत्पादन केन्द्र (जलक्षेत्र 57.62 हेक्टर) है । वर्तमान में मत्स्य महासंघ के अधीनस्थ जलाशयों में लिफिंटग पद्धति से रायल्टी आधार पर मत्स्याखेट किया जाता है ।

राज्य शासन द्वारा मछुआरों के हितार्थ जारी की गई नई मछली पालन नीति के तहत् 200 हेक्टर जलक्षेत्र से अधिक के जलाशय विभाग द्वारा छ.ग. शासन के पत्र क्रमांक एफ–11/2/36/2002/985/म/रायपुर, दिनांक 24.03.2003 के अनुसार कुल 06 जलाशय नीलाम किये गये है ।

छत्तीसगढ़ राज्य में महासंघ के कार्यो को संचालित करने के लिए निम्नानुसार अमला कार्यरत हैः–

| क्र. | श्रेणी | कार्यरत संख्या |
|---|---|---|
| 1. | प्रथम श्रेणी | प्रबंध संचालक (प्रतिनियुक्ति पर) |
| 2. | द्वितीय श्रेणी | 5 |
| 3. | तृतीय श्रेणी | 19 |
| 4. | चतुर्थ श्रेणी | 83 |
| | योग | 107 |

## भाग – दो

**1. वित्तीय प्रावधान एवं व्यय**

राज्य में मत्स्योद्योग विकास हेतु रू. 276 लाख की आयोजना सीमा निर्धारित है। वर्ष 2004–2005 में आदिवासी उप योजना के लिए रू. 137.08 लाख, विशेष घटक योजनान्तर्गत रूपये 47.80 लाख एवं सामान्य योजना अन्तर्गत रू. 199.91 लाख का प्रावधान है ।

केन्द्र प्रवर्तित योजनान्तर्गत केन्द्रांश राशि रू. 113.35 लाख का प्रावधान रखा गया, जिसमें से केन्द्र शासन से रू. 82.30 लाख की राशि प्राप्त हुई ।

प्रदेश में लागू त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओं को अंतरित कार्यक्रमों के क्रियान्वयन हेतु राशि रू. 243.38 लाख का प्रावधान उपलब्ध है, जिसमें से सामान्य योजना अन्तर्गत रू. 111.43 लाख, आदिवासी उपयोजना अन्तर्गत रू. 84.83 लाख तथा विशेष घटक योजनान्तर्गत रू. 47.12 लाख का समावेश हैं ।

आयोजना अन्तर्गत समस्त स्त्रोंतो से प्राप्त बजट प्रावधान राशि रू. 384.79 लाख के विपक्ष में वर्ष 2004–05 (1/05) तक व्यय रू. 242.35 लाख का व्यय किया गया है।

**वर्ष 2004–05**
**(राशि रूपये लाख में)**

| क्र. | राज्य आयोजना | प्रावधान | व्यय | प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|
| 1. | सामान्य | 199.91 | 131.80 | 65.92 |
| 2. | आदिवासी क्षेत्र उपयोजना | 137.08 | 83.75 | 61.09 |
| 3. | विशेष घटक योजना | 47.80 | 26.80 | 56.06 |
| | योग | 384.79 | 242.35 | 62.98 |

## भाग – तीन

## क्रियान्वित योजनाएँ एवं उपलब्धियाँ

### 1. मत्स्य बीज उत्पादन

मछली पालन के लिए मछली का बीज एक मूलभूत आवश्यकता है । प्रदेश में उपलब्ध जल संसाधनों में मछली पालन के लिए मत्स्य बीज की पूर्ति हेतु राज्य में 45 चायनीज हैचरी, 56 मत्स्य बीज प्रक्षेत्र, 76 संवर्धन पोखर उपलब्ध है, जिसका विवरण निम्नानुसार हैः–

**(जलक्षेत्र हेक्टर में)**

| क्र. | विवरण | चायनीज हैचरी | | मत्स्य बीज प्रक्षेत्र | | संवर्धन पोखर | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | संख्या | जलक्षेत्र | संख्या | जलक्षेत्र | संख्या | जलक्षेत्र |
| 1. | विभागीय | 22 | 26.719 | 32 | 30.329 | 7 | 1.92 |
| 2. | मत्स्य महासंघ | 06 | 34.6906 | 01 | 0.50 | – | – |
| 3. | निजी क्षेत्र | 17 | 30.55 | 23 | 15.824 | 69 | 31.524 |
| | **योग** | **45** | **91.9596** | **56** | **46.653** | **76** | **33.444** |

राज्य में मत्स्य बीज उत्पादन हेतु वर्ष 2004–2005 में 4620 लाख स्टे.फ्राई के लक्ष्य रखे गये, जिसके विपक्ष में 4556.24 लाख स्टे. फ्राई का उत्पादन किया गया है जो लक्ष्य का 98.61 प्रतिशत है।

विभिन्न स्त्रोतों से उत्पादित मत्स्य बीज की उपलब्धि निम्नानुसार है :–

(स्टे.फ्राई लाख में)

| क्र. | स्त्रोत | लक्ष्य | उपलब्धि | प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|
| 1. | मत्स्य विभाग | 870 | 771.45 | 88.67 |
| 2. | मत्स्य महासंघ | 725 | 320.58 | 44.21 |
| 3. | निजी क्षेत्र | 3025 | 3464.21 | 114.51 |
| | योग | 4620 | 4556.24 | 98.61 |

### 2. सिंचाई जलाशयों में मत्स्य विकास

राज्य में कुल उपलब्ध जलक्षेत्र का 54.20 प्रतिशत हिस्सा जलाशयों का है। वर्तमान नवीन मछलीपालन नीति के तहत् 200 हे. औसत जलक्षेत्र से अधिक के सिंचाई जलाशय विभाग द्वारा नीलाम कर प्रबंधन के अधिकार विभाग को प्रदत्त किये गये हैं । नीति अनुसार त्रिस्तरीय पंचायतों को उनके कार्यक्षेत्र अंतर्गत स्थित 200 हेक्टर तक सिंचाई जलाशय स्थानीय मछुआरों को निर्धारित प्राथमिकताक्रम अनुसार 5 वर्ष की अवधि हेतु पट्टे पर दिये जाने का प्रावधान है ।

12 सिंचाई जलाशयों को प्रजनक भंडारण के लिए सुरक्षित रखा गया है । प्रजनकों के अतिरिक्त मछलियों का विदोहन स्थानीय मछुआ सहकारी समितियों के माध्यम से रायल्टी आधार पर कराया जाता है । प्रदेश में सिंचाई जलाशयों से औसत उत्पादन 69 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर है ।

सिंचाई जलाशयों का प्रबंधन निम्नानुसार पंचायती राज संस्थाओं को अंतरित किया गया हैः–

| क्र. | श्रेणी | जलाशय संख्या | जलक्षेत्र (हे.) |
|---|---|---|---|
| 1. | 0–10 हेक्टर | 716 | 4109.31 |
| 2. | 10 हे. से अधिक एवं 100 हे. तक | 841 | 20419.68 |
| 3. | 100 हे. से अधिक एवं 200 हे.तक | 15 | 2053.72 |
| 4. | 200 हे. से 2000 हे. तक | 26 | 16636.09 |
| | योग | 1598 | 43218.80 |

विभाग के पास 1473 हेक्टर जलक्षेत्र के 12 जलाशय मत्स्य बीज उत्पादन/अनुसंधान तथा प्रशिक्षण कार्य हेतु रखे गये है ।

## 3. राज्य का मत्स्योत्पादन

वर्ष 2004–05 के लिए राज्य के मत्स्योत्पादन का लक्ष्य 103789.72 मे.टन निर्धारित किया गया है, जिसके विपक्ष में वर्ष 2004–2005 (माह जनवरी, 2005 तक) में 96444.73 मे.टन मत्स्योत्पादन हुआ, जो लक्ष्य का 92.92 प्रतिशत है ।

राज्य के विभिन्न स्त्रोतो से उत्पादित मत्स्य का विवरण निम्नानुसार है ।

(टन में)

| क्र. | स्त्रोत | लक्ष्य | उपलब्धि | प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|
| 1. | विभाग | 99.62 | 29.83 | 29.91 |
| 2. | मत्स्य महासंघ | 1190 | 486.48 | 40.88 |
| 3. | निजी क्षेत्र | 102500 | 95928.42 | 93.58 |
| | योग | 103789.72 | 96444.73 | 92.92 |

### 3.1 प्रति हेक्टर मत्स्योत्पादन

राज्य का प्रति हेक्टर औसत मत्स्य उत्पादन निम्नानुसार हैः–

| क्र. | स्त्रोत | उत्पादन किलोग्राम/हेक्टर |
|---|---|---|
| 1. | ग्रामीण | 2373 |
| 2. | जलाशय | 69 |

## 4. राज्य के पोखरों/तालाबों/जलाशयों में मत्स्य बीज संचयन

वर्ष 2004–05 में राज्य के पोखरो/तालाबों/जलाशयों में मत्स्य बीज संचयन के लक्ष्य 6110 लाख स्टे.फ्राई रखे गये थे, जिसके विपक्ष में निम्नानुसार मत्स्य बीज संचयन माह जनवरी, 2005 तक किया गयाः–

स्टे.फ्राई (लाख)

| क्र. | स्त्रोत | लक्ष्य | उपलब्धि | प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|
| 1. | मत्स्य विभाग | 48.96 | 27.99 | 57.16 |
| 2. | मत्स्य महासंघ | 118.82 | 36.84 | 31.00 |
| 3. | निजी क्षेत्र | 5942.22 | 5939.00 | 99.94 |
| | **योग** | **6110.00** | **6003.83** | **98.26** |

**5. विभागीय आय**

वर्ष 2004–05 (माह जनवरी, 2005 तक) में विभाग को विभिन्न मदों में रू. 82.288 लाख की आय हुई । मदवार अर्जित आय का विवरण निम्नानुसार हैः–

| क. | मद | अर्जित आय (राशि रूपये लाख में) |
|---|---|---|
| 1. | मत्स्याखेट रायल्टी | 3.342 |
| 2. | मत्स्य बीज विक्रय | 30.671 |
| 3. | अन्य | 48.275 |
| | कुल आय | 82.288 |

वर्ष 2004–05 में अर्जित आय रूपये 82.288 लाख हुई ।

**6. रोजगार सृजन (मानव दिवस)**

वर्ष 2004–05 (माह जनवरी, 2005) में 82 लाख मानव दिवस सृजन करने का लक्ष्य रखा गया, जिसके विपक्ष में 64.35 लाख मानव दिवस का सृजन किया गया । जो लक्ष्य का 78.47 प्रतिशत है ।

**7. मत्स्य सहकारिता**

प्राथमिकता के आधार पर मछली पालन का कार्य मत्स्य सहकारी समितियों द्वारा किया जाता है । प्रदेश में मछली पालन से जुड़े मछुआरों के आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान के लिए एक हेक्टर से बड़े समस्त जलाशय मत्स्य सहकारी समितियों को पट्टे पर देने हेतु, प्राथमिकता दी गई है । समितियों को मत्स्याखेट उपकरण, जलाशय पट्टा राशि, मत्स्य बीज क्रय आदि हेतु ऋण एवं अनुदान दिया जाता है।

वर्ष 2004–05 (माह जनवरी, 2005 तक) में 809 मछुआ सहकारी समितियां पंजीकृत है जिनकी सदस्य संख्या 25873 है । विवरण निम्नानुसार हैः–

| क. | समुदाय | समिति संख्या | सदस्य संख्या |
|---|---|---|---|
| | पुरूष वर्ग | | |
| 1. | सामान्य समिति | 494 | 16321 |
| 2. | अनुसूचित जनजाति | 248 | 7510 |
| 3. | अनुसूचित जाति | 49 | 1246 |
| | योग | 791 | 25077 |
| | महिला वर्ग | | |
| 1. | सामान्य समिति | 9 | 450 |
| 2. | अनुसूचित जनजाति | 4 | 229 |
| 3. | अनुसूचित जाति | 5 | 117 |
| | योग | 18 | 796 |
| | महायोग | 809 | 25873 |

**7.1 मत्स्य सहकारी समिति को अनुदान**

मत्स्य सहकारी समितियों की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए वर्ष में रू. 4.51 लाख का आबंटन अनुदान/सहायता मद में प्राप्त है, जिसके विपक्ष में 2.17 लाख का अनुदान प्रदाय किया गया है, जो कुल आबंटित राशि रू. 48.11 प्रतिशत है ।

समितियों को मछली पालन हेतु उपकरण एवं अन्य प्रयोजनो यथा–तालाब पट्टा राशि, मत्स्य बीज क्रय, नाव, जाल आदि पर ऋण प्रदाय करने का प्रावधान है ।

**7.2 मत्स्य सहकारी समितियों को जलाशय आबंटन**

मछली पालन में मत्स्य सहकारी समितियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वर्ष 2004–05 (माह जनवरी, 2005 तक) में 1259.94 हेक्टर के 69 जलाशय 48 सहकारी समितियों को पट्टे पर उपलब्ध कराये गये ।

इसके अतिरिक्त विभाग द्वारा निजी मत्स्य पालकों/समूहों को भी मत्स्य पालन में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 596.47 हेक्टर औसत जलक्षेत्र 39 जलाशय 43 समूह को आबंटित किये गये, जिसमें मछुआ वर्ग के लोग लाभान्वित हो रहे है ।

**7.3 मत्स्य सहकारी समितियों को तालाब आबंटन**

प्रदेश के 7 जिलों में मत्स्य कृषक विकास अभिकरण स्थापित है तथापि राज्य के समस्त 16 जिलों में योजना क्रियान्वित है । इन अभिकरणों के माध्यम से भी तालाब पट्टे पर दिये जाते है । वर्ष 2004–05 (माह जनवरी, 2005 तक) में 318.11 हेक्टर जलक्षेत्र के 300 तालाब 45 समितियों को प्रदाय किया जाकर 1190 सदस्यों को लाभांवित किया गया है ।

उपर्युक्त के अतिरिक्त मछुआ समूह/व्यक्तियों को भी आलोच्य वर्ष 2004–05 (माह जनवरी, 2005 तक) में निम्नानुसार तालाब आबंटित किये गयेः–

| क्र. | विवरण | सदस्य संख्या | तालाब संख्या | जलक्षेत्र (हे.) |
|---|---|---|---|---|
| 1. | मछुआ समूह | 1710 | 372 | 627.42 |
| 2. | मछुआ व्यक्ति | 307 | 300 | 253.81 |
| | योग | 2017 | 672 | 881.23 |

**8. मत्स्य पालकों को प्रशिक्षण**

विभाग के द्वारा मछुआरों अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति के व्यक्तियों को 15 दिवसीय मछली पालन प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षण अवधि में प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी को रूपये 50.00 प्रतिदिन की दर से दैनिक भत्ता एवं निवास से प्रशिक्षण स्थान तक आने जाने का एक बार किराया तथा नायलोन धागा निःशुल्क दिया जाता है। इस प्रकार प्रति प्रशिक्षणार्थी रू. 1250/– व्यय का प्रावधान होता है । इसके अतिरिक्त मत्स्य कृषक विकास अभिकरण द्वारा भी 10 दिवसीय मत्स्यपालन प्रशिक्षण दिया जाता है। इस योजनान्तर्गत प्रति प्रशिक्षणार्थी रू. 1100/– का प्रावधान होता है । वर्ष 2004–05 में इस कार्यक्रम के तहत 1150 कृषकों को प्रशिक्षण देने का लक्ष्य रखा गया था। जिसके विपक्ष में उपलब्धि जनवरी, 2005 तक निम्नानुसार हैः–

| क्र. | विवरण | लक्ष्य(संख्या) | उपलब्धि(संख्या) | प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|
| 1. | विभाग | 1052 | 739 | 70.24 |
| 2. | मत्स्य कृषक विकास अभिकरण | 1150 | 242 | 21.04 |
| | योग | 2202 | 981 | 44.55 |

**9. मछुओं का अध्ययन भ्रमण**

सभी वर्ग के प्रगतिशील मछुआरों को उन्नत मछली पालन का प्रत्यक्ष अनुभव कराने हेतु देश के अन्य राज्य में अपनायी जा रही मछली पालन तकनीकी से परिचित कराने के उदेश्य से राज्य के बाहर दस दिवसीय अध्ययन भ्रमण पर भेजा जाता है । उक्त प्रशिक्षण के दौरान आने–जाने का किराया तथा रूपये 75.00 प्रति दिवस प्रति मछुआ के मान से प्रशिक्षण वृत्ति दिया जाता है । हितग्राहियों के अध्ययन भ्रमण हेतु अधिकतम रूपये 2000/– प्रति हितग्राही व्यय किये जाने का प्रावधान है । वर्ष 2004–05 (माह जनवरी, 2005 तक) में शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु रूपये 13.15

लाख तथा अध्ययन भ्रमण हेतु रूपये 0.98 लाख का प्रावधान रखा गया है, जिसमें 79 हितग्राहियों को अध्ययन भ्रमण पर भेजा गया ।

**10. शिक्षण एवं प्रशिक्षण (प्रशिक्षण संस्थान, रायपुर)**

राज्य में विभागीय मत्स्योद्योग प्रशिक्षण संस्थान राजधानी रायपुर में संचालित है, जिसके अंतर्गत मत्स्य निरीक्षक स्तर के प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण दिया जाता है । इस प्रशिक्षण संस्थान से स्वरोजगार स्थापित करने के इच्छुक 15 व्यक्तियों को वर्ष 2004–05 में (जनवरी, 2004 से मार्च, 2005 तक) प्रशिक्षण दिया गया । विवरण निम्नानुसार हैः–

| पुरूष / महिला | सामान्य | अन्य पिछड़ा वर्ग | अनुसूचित जाति | अनुसूचित जनजाति | योग |
|---|---|---|---|---|---|
| 15 | 10 | 3 | 1 | 1 | 15 |

**11. अनुसंधान कार्यक्रम**

प्रदेश में मछली पालन के विभिन्न विषयों पर व्यावहारिक अनुसंधान शाला में मत्स्य पालन से सम्बंधित विभिन्न समस्याओं के निदान तथा नये कार्यो पर अनुसंधान किया जाता है, तथा ऐसे विषयों का चयन किया जाता है जो मछली पालन की ओर ज्यादा व्यावहारिक बनाने तथा उसकी उपादेयता बढ़ाने में सहायक सिद्व हो सके। वर्ष 2004–05 में आलंकारिक मत्स्य इकाई की स्थापना अनुसंधान कार्यालय रायपुर में की गई, जिसमें वर्ष 2004–05 (फरवरी, 04) में आलंकारिक मत्स्य उत्पादन किया जावेगा इसी वर्ष 0.07 लाख गम्बूसिया मछलियां विक्रय की गई ।

**11.1 सहायक अनुसंधान अधिकारी (मत्स्योद्योग) रायपुर इकाई**

**गंम्बूसिया मत्स्य प्रजनन**– वर्ष 2004–05 में रायपुर इकाई अंतर्गत 0.07 लाख फ्राई उत्पादित की गई तथा विभिन्न जिलों से प्राप्त मांग अनुसार विक्रय किया जाकर रू. 410/– की आय प्राप्त की गई। निम्न अनुसंधान कार्य इकाई द्वारा किये जा रहे हैः–

1. इकाई अंतर्गत झींगा उत्पादन के लिए भी इकाई प्रदर्शन के रूप में स्थापित की जाकर उत्पादन किया जाना है ।
2. ग्रामीण तालाबों की मिट्टी परीक्षण कर तालाबों की उत्पादकता बढ़ाना ।

**12. केन्द्र प्रवर्तित योजना**

**12.1 मत्स्य कृषक विकास अभिकरण योजना**

प्रदेश के सभी 16 जिलों में योजना चल रही है । वर्ष 2004–05 (माह दिसम्बर,04 तक) में योजनान्तर्गत हुई प्रगति का विवरण निम्नानुसार हैः–

**12.2 तालाबों का आबंटन**

| लक्ष्य | उपलब्धि | प्रतिशत | हितग्राही |
|---|---|---|---|
| 1070 हे. | 1084.66 हे. | 101.37 | 2006 |

योजना प्रारंभ वर्ष 1980–81 से वर्ष 2004–05 (1/05 तक) 46075.32 हेक्टर जलक्षेत्र के 28900 तालाब 50714 हितग्राहियों को आबंटित किये जा चुके है। मत्स्य कृषक विकास अभिकरण योजना के वर्ष 2004–05 हेतु निर्धारित लक्ष्य के विपक्ष में उपलब्धि (01/05 तक) निम्नानुसार हैः–

| क्र. | विवरण | लक्ष्य | उपलब्धि | प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|
| 1. | मत्स्य बीज संचयन (स्टे.फ्राई लाख) | 3370.00 | 3276.36 | 97.22 |
| 2. | मत्स्योत्पादन (टन) | 102500 | 91060.97 | 88.83 |
| 3. | मछुआ प्रशिक्षण (संख्या) | 1150 | 242 | 21.04 |
| | **बैंक फाईनेन्सिंग (रूपये लाख)** | | | |
| 4. | ऋण वितरण | 223.75 | 88.093 | 39.37 |
| 5. | अनुदान वितरण | 109.05 | 44.101 | 40.44 |

**12.3 स्वयं की भूमि में नवीन तालाब निर्माण**

वर्ष 2004–05 (1/05) में 103 तालाब जलक्षेत्र 64.513 हेक्टर के निर्माण कराये गये एवं वर्ष में मत्स्य कृषकों को रूपये 32.00 लाख का अनुदान प्रदान कर लाभांवित किया गया ।

**13. एकीकृत मछली पालन**

योजना प्रारंभ से अब तक 1321 एकीकृत मत्स्य पालन इकाईयां निम्नानुसार स्थापित की गई हैः–

| | | |
|---|---|---|
| 1. | बतख सह मछली पालन | 486 |
| 2. | मुर्गी सह मछली पालन | 318 |
| 3. | सुकर सह मछली पालन | 87 |
| 4. | डेयरी सह मछली पालन | 43 |
| 5. | धान सह मछली पालन | 112 |
| 6. | फलोद्यान सह मछली पालन | 162 |
| 7. | बकरी सह मछली पालन | 81 |
| 8. | झींगा सह मछली पालन | 32 |

**14 मत्स्य जीवियों का दुर्घटना बीमा**

वर्ष 2004–05 में मत्स्य जीवियों का दुर्घटना बीमा कराया गया जिसका विवरण निम्नानुसार हैः–

| क्र. | वर्ग | लक्ष्य | उपलब्धि | प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|
| 1. | अनुसूचित जनजाति | 7142 | 7142 | 100 |
| 2. | अनुसूचित जाति | 2857 | 2857 | 100 |
| 3. | सामान्य | 21428 | 21428 | 100 |
| | योग | 31427 | 31427 | 100 |

**15. केन्द्र क्षेत्र योजना**

"विस्तार और प्रशिक्षण" योजनान्तर्गत गत वर्ष केन्द्र से रू. 34.10 (केन्द्रांश 80 राज्यांश 20 प्रतिशत) की योजना स्वीकृति उपरांत बिलासपुर जिले में प्रशिक्षण केन्द्र निर्माण तथा रायपुर जिले में मत्स्य जागरूकता केन्द्र के निर्माण कार्य प्रगति पर है । जागरूकता केन्द्र निर्माण से जन सामान्य को मत्स्य पालन गतिविधियों की आवश्यक जानकारी उपलब्ध हो सकेगी एवं दूरस्थ अंचलों के मत्स्य पालकों को इस केन्द्र में भ्रमण कराकर उपयुक्त जानकारी व्याख्यान, पोस्टर्स, फोल्डर्स, ऑडियों–विजुअल उपकरणों एवं प्रत्यक्ष प्रदर्शन के माध्यम से उपलब्ध हो सकेगी, जिससे मछुआरे अपनी आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति सुदृढ़ करते हुए राज्य के विकास में भी सहायक सिद्ध होंगे ।

मत्स्य प्रशिक्षण विस्तार योजना हेतु 12.21 लाख का आबंटन दिया गया है जिसमें 10.38 लाख का व्यय जनवरी, 2005 तक किया गया । इसमें एक मत्स्य कृषक प्रशिक्षण केन्द्र कबीरधाम में स्थापित किया जा रहा है और 180 मत्स्य कृषको को प्रशिक्षण दिया जाना है ।

## 16. विशेष केन्द्रीय सहायता से संचालित योजना

### बैगा जनजाति विकास परियोजना

जिला कवर्धा के बोड़ला विकास खण्ड में निवास करने वाले बैगा जनजाति के लोगों को मछली पालन के कार्यक्रम से लाभांवित करने हेतु आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा रू. 37.824 लाख की योजना बैगा विकास प्राधिकरण, राजनांदगांव के माध्यम से क्रियान्वित की जा रही है । योजनांतर्गत क्षीरपानी जलाशय जलक्षेत्र 254.00 हे. बैगा जनजाति मछुआ सहकारी समिति, लालपुरखुर्द के 74 सदस्यों को 01.07.96 से दस वर्षीय पट्टे पर उपलब्ध कराकर एवं ग्रामीण तालाबों के मरम्मत कार्य कराकर मत्स्य पालन कराया जा रहा है ।

समिति द्वारा वर्ष 2004–05 (1/05) में 17.632 मे.टन मत्स्य उत्पादन किया गया, जिससे बैगा जनजाति सहकारी समिति को रू. 3.94 लाख आय प्राप्त हुई । इसी योजना में 2050 मानव दिवस रोजगार सृजित किया गया ।

## 17.राज्य गठन पश्चात् मत्स्य पालन अंतर्गत संचालित नवीन कार्यक्रम

### 1. मीठे जल में झींगा पालन (पॉली कल्वर)

राज्य में पहली बार वर्ष 2001–02 में मीठे जल में मछली सह झींगापालन 101 तालाबों में (जलक्षेत्र 86.00 हेक्टर) 3.45 लाख झींगा जुवेनाइल्स का संचयन किया जाकर 6000 कि.ग्रा. झींगा उत्पादन किया गया । वर्ष 2002–03 में कार्यक्रम वृहद स्तर पर प्रारंभ कर झींगा उत्पादन किया जा रहा है । जिसमें 1.40 लाख जुवेनाइल्स संचय किया गया था जिसमें 6270 कि.ग्रा. झींगा उत्पादन किया गया, वर्ष 2004–05 में 1.30 लाख का संचय कर 1708 कि.ग्रा. उत्पादन जनवरी, 2005 तक किया गया ।

### 2. आलंकारिक मत्स्य विकास

राज्य में प्रथम बार मत्स्य विकास को राज्य में कुटीर उद्योग के रूप में प्रोत्साहित किये जाने हेतु ठोस प्रयास प्रारंभ किये गये । इसी परिप्रेक्ष्य में रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, अंबिकापुर एवं जगदलपुर स्थित मत्स्य बीज प्रक्षेत्रों में आलंकारिक मत्स्य इकाई स्थापित की जाकर आलंकारिक मछलियों का उत्पादन कार्य प्रारंभ किया गया है । निजी मत्स्य पालकों को भी आलंकारिक मत्स्य विकास को प्रोत्साहित करने हेतु 88 मत्स्य पालकों को पश्चिम बंगाल एवं केरल राज्य के अध्ययन भ्रमण हेतु भेजा गया ।

<u>भाग–चार</u>

## 1. वित्तीय प्रावधान एवं भौतिक प्रगति (01/05)

| क्र. | योजना का नाम | वित्तीय आवंटन एवं व्यय (राशि रू. लाख में) | | कार्यक्रम | इकाई | भौतिक उपलब्धि | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | आवंटन | व्यय | | | लक्ष्य | उपलब्धि |
| 1. | **केन्द्र प्रवर्तित योजना** | | | | | | |
| | 1.मत्स्य कृषक विकास अभिकरण | 206.40 | 151.58 | जलक्षेत्र आवंटन | हैक्टर | 1070 | 1084.66 |
| | राज्यांश राशि 115.12<br>केन्द्रांश राशि 91.28 | | | मत्स्यबीज संचयन | स्टै. फ्राई लाख में | 3370 | 3276.36 |
| | 2. मत्स्य प्रशिक्षण एवं विस्तार योजना | 12.21 | 10.38 | मत्स्यपालकों को प्रशिक्षण | हितग्राही संख्या | 1150 | 242 |
| | | | | मत्स्य उत्पादन | मे.टन | 102500 | 91060.97 |
| | | | | कृषकों को आर्थिक सहायता | | | |
| | 3. डाटा–बेस | 12.30 | – | बैंको को प्रेषित ऋण प्रकरण | राशि रू. लाख में | 447.50 | 425.00 |
| | | | | स्वीकृत ऋण | –"– | 223.75 | 118.78 |
| | | | | ऋण वितरण | –"– | 223.75 | 88.09 |
| | | | | अनुदान वितरण | –"– | 109.05 | 44.101 |
| | 2. मत्स्यजीवियों को दुघर्टना बीमा | | | लाभान्वित हितग्राही | हितग्राही संख्या | 31427 | 31427 |
| | राज्यांश राशि | 2.20 | 2.20 | | | | |
| 2. | **राज्य योजनान्तर्गत** | | | | | | |
| | 1.मत्स्यबीज उत्पादन | 80.42 | 63.92 | मत्स्यबीज स्टै.फ्राई | लाख में | 4620 | 4556.24 |
| | 2. जलाशयों एवं नदियों में मत्स्योद्योग विकास | 11.80 | 7.10 | मत्स्यबीज संचयन | स्टै.फ्राई लाख में | 48.96 | 27.99 |
| | | | | मत्स्य उत्पादन | मे.टन | 99.72 | 29.83 |
| | 4. शिक्षण–प्रशिक्षण | | | | | | |
| | अ. विभागीय | 13.15 | 7.32 | मत्स्यपालकों को प्रशिक्षण | हितग्राही संख्या | 1052 | 739 |
| | ब. राज्य के बाहर अध्ययन भ्रमण | 0.98 | 0.84 | अध्ययन भ्रमणार्थी | हितग्राही संख्या | 79 | 79 |
| | 5. मत्स्य सहकारिता | | | | | | |
| | अ. अजजा/अजा मत्स्य सहकारी समिति को सहायता | 2.37 | 1.25 | लाभान्वित हितग्राही | हितग्राही संख्या | 16 समिति संख्या | 400 सदस्य संख्या |
| | ब. सामान्य म. स. स. को सहायता | 2.14 | 1.241 | लाभान्वित समिति | संख्या | 15 समिति संख्या | 375 सदस्य संख्या |
| | 6. मत्स्यालय एवं अनुसंधान | 2.10 | 0.42 | प्रचार, प्रसार एवं पुरस्कार | – | – | – |
| | 7. मत्स्यपालन प्रसार | – | – | लाभान्वित हितग्राही | संख्या | योजना परिवर्तित हेतु प्रस्तावित | |
| | 8. विभागीय आय | – | – | विभागीय आय | लाख मे | 53.00 | 82.288 |
| | 10.त्रिस्तरीय पंचायतों को म. पा से आय | – | – | पंचायतों को आय | राशि रू. लाख में | – | 193.125 |
| | 11. रोजगार सृजन | – | – | मानव दिवस | लाख में | 82.00 | 64.35 |

## भाग–पांच

**1. छत्तीसगढ़ राज्य मत्स्य महासंघ (सहकारी) मर्यादित रायपुर**

छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के साथ ही मध्य प्रदेश मत्स्य महासंघ का विभाजन करके छत्तीसगढ़ राज्य (सहकारी) मत्स्य महासंघ का गठन हुआ है । यह प्राथमिक मछुआ सहकारी समितियों की शीर्ष संस्था है, जिसका प्रमुख कार्य सहकारिता के माध्यम से मत्स्य पालन विकास किया जाना है ।

मत्स्य महासंघ के अधीन 9 सिंचाई जलाशय (कुल जलक्षेत्र 8903 हेक्टर) 6 मत्स्य बीज उत्पादन केन्द्र (जलक्षेत्र 57.62 हेक्टर) है वर्तमान में मत्स्य महासंघ के अधीनस्थ जलाशयों में लिफि्टग पद्धति से रायल्टी आधार पर मत्स्याखेट पर 15 मत्स्य सहकारी समिति में 1003 सदस्य कार्यरत है ।

राज्य शासन द्वारा मछुआरों के हितार्थ जारी की गई मछली पालन नीति के तहत् 200 हेक्टर जलक्षेत्र से अधिक के जलाशय विभाग द्वारा नीलाम किया जाना है, तथापि शासकीय निर्णयों के परिप्रेक्ष्य में मत्स्य महासंघ के अधीनस्थ सिंचाई जलाशय जिनकी पट्टा अवधि पूर्ण हो चुकी है, एक वर्ष के लिए प्रायोगिक तौर पर मत्स्य पालन हेतु निर्धारित शर्तो के अधीन मत्स्य महासंघ को सौपें गये हैं । मत्स्य महासंघ से शासन को रूपये 65.13 लाख रायल्टी प्राप्त लिया जाना शेष है ।

वर्ष 2004–05 (1/05) में छत्तीसगढ़ सहकारी मत्स्य महासंघ की उपलब्धि निम्नानुसार हैः–

| क्र. | विवरण | लक्ष्य | उपलब्धि | प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|
| 1. | मत्स्य बीज उत्पादन | | | |
| | अ–स्पान (लाख) | 4600 | 2938.00 | 63.86 |
| | ब–स्टे.फ्राई (लाख) | 725 | 320.58 | 44.21 |
| 2. | मत्स्य बीज संचयन (स्टे.फ्राई लाख में ) | 118.82 | 36.84 | 31.00 |
| 3. | मत्स्योत्पादन (टन) | 1190 | 486.48 | 40.88 |

**2. मत्स्य पालन विभाग द्वारा मत्स्य विकास हेतु नवीन प्रस्तावित कार्यक्रम**

1. **मत्स्य पालन प्रसार (राज्य पोषित योजना)**
   राज्य के अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति के मत्स्य पालकों को झींगापालन एवं आलंकारिक मत्स्योद्योग विकास के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने बाबत् राशि रू. 78.93 लाख की कार्ययोजना तैयार कर शासन स्वीकृति हेतु प्रेषित की गई है, जिसमें आलंकारिक मत्स्योद्योग इकाई पर रू. 12000/– तथा झींगा पालन इकाई हेतु रू. 15000/– की अधिकतम 3 वर्षो की अवधि में आर्थिक सहायता के रूप में दिया जाना प्रस्तावित किया गया है ।
2. **स्वयं की भूमि पर 0.5 हेक्टर तालाब निर्माण**
   राज्य के समस्त जिलों के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में अनुसूचित जनजाति के कृषक की स्वयं की भूमि पर शत्–प्रतिशत् शासकीय व्यय पर 0.5 हेक्टर के तालाब निर्माण कराकर मत्स्य पालन हेतु रू. 682.83 लाख की कार्य योजना तैयार कर शासन स्वीकृति हेतु प्रेषित की गई है । जो शासन स्तर पर विचाराधीन है ।
3. **प्रशिक्षण सह प्रदर्शन इकाई स्थापना**
   ग्रामीण तालाबों में सघन मत्स्य पालन कर प्रति हेक्टर मत्स्य उत्पादन बढ़ाने हेतु प्रत्यक्ष प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण द्वारा मत्स्य पालकों को प्रेरित करने व स्थानीय जन समुदाय में मत्स्य पालन विकास हेतु जन–चेतना जागृत करने के उद्देश्य से प्रशिक्षण सह प्रदर्शन केन्द्र की स्थापना हेतु कार्य योजना रू. 97.00 लाख की तैयार कर शासन स्वीकृति हेतु प्रेषित की गई जसमे वर्ष 2004–05 में रू. 19.40 लाख प्रशिक्षण सह प्रदर्शन केन्द्र हेतु संयुक्त संचालक मत्स्योद्योग, रायपुर को दिया गया है ।

## 4.छत्तीसगढ़ राज्य में मत्स्यपालन एक दृष्टि में वर्ष 2004–05 (1/05)

| क्र. | विवरण | इकाई | लक्ष्य | उपलब्धि |
|---|---|---|---|---|
| 1. | संसाधन | | | |
| 1.1 | मछली पालन हेतु उपलब्ध जलक्षेत्र | हे.लाख में | – | 1.546 |
| 1.2 | सिंचाई जलाशयों का जलक्षेत्र | हे.लाख में | – | 0.838 |
| 1.3 | ग्रामीण तालाबों का जलक्षेत्र | हे.लाख में | – | 0.708 |
| 1.4 | नदियों एवं सहायक नदियों की लम्बाई | कि.मी. | – | 3573 |
| 2. | मछली पालन अन्तर्गत जलक्षेत्र | हे.लाख में | – | 1.371 |
| 2.1 | सिंचाई जलाशयों का जलक्षेत्र | हे.लाख में | – | 0.784 |
| 2.2 | ग्रामीण तालाबों का जलक्षेत्र | हे.लाख में | – | 0.587 |
| 3. | मत्स्य बीज उत्पादन के लिए उपलब्ध चायनीज हैचरी | संख्या/हे. | 45 | 91.959 |
| 3.1 | विभाग | संख्या/हे. | 22 | 26.729 |
| 3.2 | मत्स्य महासंघ | संख्या/हे. | 06 | 34.690 |
| 3.3 | निजी | संख्या/हे. | 17 | 30.550 |
| 3.4 | मत्स्य बीज प्रक्षेत्र (विभागीय) | संख्या/हे. | 32 | 30.329 |
| 3.5 | संवर्धन पोखर | संख्या/हे. | 76 | 33.444 |
| 3.6 | विभाग | संख्या/हे. | 07 | 1.92 |
| 3.7 | मत्स्य महासंघ | संख्या/हे. | – | – |
| 3.8 | नीजि क्षेत्र | संख्या/हे. | 69 | 31.524 |
| 4. | मत्स्य बीज उत्पादन | | | |
| | अ– स्पान | लाख | 17650 | 14779.50 |
| 4.1 | मत्स्य महासंघ | लाख | 4600 | 2938.00 |
| 4.2 | निजी | लाख | 7900 | 7404 |
| 4.3 | विभाग | लाख | 5150 | 4437.50 |
| | ब– स्टे.फ्राई | लाख | 4620 | 4556.24 |
| 4.4 | विभाग | लाख | 870 | 771.45 |
| 4.5 | मत्स्य महासंघ | लाख | 725 | 320.58 |
| 4.6 | निजी | लाख | 3025 | 3464.21 |
| 5. | मत्स्य बीज संचयन (स्टे फ्राई) | लाख | 6110 | 6003.83 |
| 5.1 | विभाग | लाख | 48.96 | 27.99 |
| 5.2 | मत्स्य महासंघ | लाख | 118.82 | 36.84 |
| 5.3 | निजी | लाख | 5942.22 | 5939.00 |
| 6. | मत्स्योत्पादन | (मे.टन) | 103789.72 | 96444.73 |
| 6.1 | विभाग | (मे.टन) | 99.72 | 29.83 |
| 6.2 | निजी | (मे.टन) | 102500.00 | 95928.42 |
| 6.3 | मत्स्य महासंघ | (मे.टन) | 1190 | 486.48 |

| क्र. | विवरण | इकाई | लक्ष्य | उपलब्धि |
|---|---|---|---|---|
| 7. | विभागीय आय | रू. लाख | 53.00 | 82.288 |
| 7.1 | मत्स्याखेट रायल्टी | रू. लाख | 12.36 | 3.342 |
| 7.2 | मत्स्य बीज विक्रय | रू. लाख | 40.64 | 30.671 |
| 7.3 | अन्य | रू. लाख | – | 48.275 |
| 8. | प्रशिक्षण | | | |
| 8.1 | विभागीय 30 दिवसीय प्रशिक्षण | संख्या | 1052 | 739 |
| 8.2 | मत्स्य कृ. वि. अभि. 15 दिवसीय प्रशिक्षण | संख्या | 1150 | 242 |
| 8.3 | राज्य के बाहर अध्ययन भ्रमण | संख्या | 79 | 79 |
| 9. | केन्द्र प्रवर्तित योजनांतर्गत म.कृ.वि.अ. | | | |
| 9.1 | तालाब आबंटन | हेक्टर | 1070 | 1084.66 |
| 9.2 | मत्स्य बीज संचयन (स्टे.फ्राई) | लाख | 3370 | 3276.36 |
| 9.3 | मत्स्य कृषकों का प्रशिक्षण | संख्या | 1150 | 242 |
| 9.4 | मत्स्योत्पादन | मे.टन | 102500 | 91060.97 |
| 10. | स्वयं की भूमि पर तालाब निर्माण | | संख्या | जलक्षेत्र |
| | | | 103 | 64.513 |
| 11. | केन्द्र प्रवर्तित योजना अंतर्गत मत्स्य जीवियों का दुर्घटना बीमा | संख्या | 31427 | 31427 |
| | अ–अनुसूचित जनजाति | संख्या | 7142 | 7142 |
| | ब–अनुसूचित जाति | संख्या | 2857 | 2857 |
| | स–सामान्य | संख्या | 21428 | 21428 |
| 12. | रोजगार सृजन (मानव दिवस) | लाख मे | 82 | 64.35 |

## वर्ष 2003–2004 की लक्ष्य एवं उपलब्धि

| क्र. | विवरण | इकाई | लक्ष्य | उपलब्धियां |
|---|---|---|---|---|
| 1. | मत्स्य बीज उत्पादन | | | |
| | अ–स्पान | लाख | 16000 | 14545.45 |
| 1.1 | मत्स्य महासंघ | लाख | 4150 | 3382.20 |
| 1.2 | निजी | लाख | 6850 | 7124.50 |
| 1.3 | विभाग | लाख | 5000 | 4038.75 |
| | ब–स्टे.फ्राई | लाख | 4200 | 3678.22 |
| 1.4 | विभाग | लाख | 830 | 681.67 |
| 1.5 | मत्स्य महासंघ | लाख | 725 | 290.88 |
| 1.6 | निजी | लाख | 2645 | 2705.67 |
| 2. | मत्स्य बीज संचयन (स्टे.फ्राई) | लाख | 4740.19 | 5979.31 |
| 2.1 | विभाग | लाख | 48.84 | 47.23 |
| 2.2 | मत्स्य महासंघ | लाख | 111.72 | 59.75 |
| 2.3 | निजी | लाख | 4579.63 | 5872.33 |
| 3. | मत्स्योत्पादन | मे.टन | 95933 | 111052.85 |
| 3.1 | विभाग | मे.टन | 93 | 65.62 |
| 3.2 | मत्स्य महासंघ | मे.टन | 840 | 319.79 |
| 3.3 | निजी | मे.टन | 95000 | 110667.44 |
| 4. | विभागीय आय | रू. लाख | 12.26 | 57.401 |
| 4.1 | मत्स्याखेट रायल्टी | रू. लाख | | 7.494 |
| 4.2 | मत्स्य बीज विक्रय | रू. लाख | | 34.352 |
| 4.3 | अन्य | रू. लाख | | 15.555 |
| 5. | प्रशिक्षण | संख्या | | |
| 5.1 | विभागीय 30 दिवसीय प्रशिक्षण | संख्या | 948 | 948 |
| 5.2 | म.कृ.वि.अ. 15 दिवसीय प्रशिक्षण | संख्या | 850 | 841 |
| 5.3 | राज्य के बाहर अध्ययन भ्रमण | संख्या | 100 | 99 |
| 6. | केन्द्र प्रवर्तित योजनांतर्गत मकृविअ | | | |
| 6.1 | तालाब आबंटन | हेक्टर | 1000 | 1228.00 |
| 6.2 | मत्स्य बीज संचयन (स्टे.फ्राई) | लाख | 3050 | 3329.37 |
| 6.3 | मत्स्य कृषकों का प्रशिक्षण | संख्या | 850 | 841 |
| 6.4 | मत्स्योत्पादन | मे.टन | 95000 | 86580 |
| 7. | स्वयं की भूमि पर तालाब निर्माण | | संख्या | जलक्षेत्र |
| | | | 151 | 76.42 |
| 8. | केन्द्र प्रवर्तित योजना अंतर्गत मत्स्य जीवियों का दुर्घटना बीमा | संख्या | 24284 | 24283 |
| 9. | रोजगार सृजन मानव दिवस | लाख में | 100 | 100.00 |

*संचालक मत्स्योद्योग*
*छत्तीसगढ़*

## वर्ष 2003–04 के प्रस्तावित कार्यक्रम

| क्र. | विवरण | इकाई | लक्ष्य |
|---|---|---|---|
| 1. | जल संसाधान (सिंचाई एवं ग्रामीण) | हेक्टर | 820 |
| 2. | मत्स्य बीज उत्पादन (स्टे.फ्राई) | लाख | 4200 |
| 3. | मत्स्योत्पादन | मे.टन | 96500 |
| 4. | मत्स्य बीज संचयन (स्टे.फ्राई) | लाख में | 2950 |
| 5. | मछुओं का प्रशिक्षण | संख्या | 1500 |
| 6. | मछुओं का अध्ययन भ्रमण | संख्या | 100 |
| 7. | मछुओं का दुर्घटना बीमा | संख्या | 24500 |
| 8. | मछुआ सहकारी समितियों को ऋण एवं अनुदान | लाख में | 2.27 |
| 9. | रोजगार सृजन मानव दिवस | लाख में | 100 |
| 10. | विभागीय आय | लाख में | 15.00 |
| 11. | मत्स्य कृषक विकास अभिरण | | |
| | अ– तालाब आबंटन | (हे.) | 870 |
| | ब– मत्स्य बीज संचयन (स्टे.फ्राई) | लाख में | 2950 |
| | स– मत्स्य कृषकों को प्रशिक्षण | सख्या | 850 |
| | द– मत्स्योत्पादन | मे.टन | 96000 |
| 12. | बैंक फायनेंसिंग | | |
| | अ– पोण्ड कल्चर | लाख में | 48.50 |
| | ब– नवीन तालाब निर्माण | लाख में | 136.00 |
| | स– इन्टीग्रेटेड मत्स्य पालन इकाईयों की स्थापना | लाख में | 8.20 |
| | द– एरियेटर स्थापना | लाख में | – |
| | योग– | | 192.70 |
| 13. | अनुदान वितरण (लाख) | | |
| | अ– पोण्ड कल्चर | लाख में | 12.15 |
| | ब– नवीन तालाब निर्माण | लाख में | 56.00 |
| | स– इन्टीग्रेटेड मत्स्य पालन इकाईयों की स्थापना | लाख में | 2.05 |
| | द– एरियेटर स्थापना | लाख में | – |

***संचालक मत्स्योद्योग***
***छत्तीसगढ़***